INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

पेपर-I

वेद, व्याकरण एवं भाषा नैपुण्य

Syllabus

on] 0;kdj.k ,o Hkk"kk ulі|.;

bdkbl iFke	• वैदिक संहिताओं का परिचय, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की विशेषताऐं।
bdkbl }rh;	• वेद (क) ऋग्वेद – अग्निसूक्त–1.1 (ख) यजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त–XXXIV (ग) अथर्ववेद – विजयसूक्त–1.2
bdkbl r'rh;	• शब्द रूप एवं धातु रूप– • शब्द रूप–राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मनू, वाक्, सर्व, तत्, एतत्, यत्, इदम्, अस्मत् तथा युष्मत्। • धातु रूप–पठ्, भू, कृ, अस्, रूध्, क्री, चूर् तथा सेव्। • केचल पॉच लकार–लट्, लोट्, विधिलिंड्, लड् एवं लृट्।
bdkbl prFkl	• लघु सिद्धांत कौमुदी–प्रत्याहार, संज्ञा एवं संधि।
bdkbl ipe	• विभक्त्यर्थ एवं अनुवाद। • संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद।

Contents

on] 0;kdj.k ,o Hkk"kk uli.;

bdkbl iFke	अध्याय 1 : वैदिक संहिताओं का परिचय अध्याय 2 : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की विशेषताएें
bdkbl }rh;	अध्याय 3 : वेद – ऋग्वेद – अग्निसूक्त–1.1 अध्याय 4 : वेद – यजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त–XXXIV अध्याय 5 : वेद – अथर्ववेद – विजयसूक्त–1.2
bdkbl r`rh;	अध्याय 6 : शब्द रूप एवं धातु रूप अध्याय 7 : शब्द रूप–राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि अध्याय 8 : शब्द रूप–आत्मन्, वाक्, सर्व, तत्, एतत्, यत्, इदम्, अस्मत् तथा युष्मत् अध्याय 9 : धातु रूप–पठ्, भू, कृ, अस्, रूध्, क्री, चूर् तथा सेव् अध्याय 10 : केचल पॉच लकार–लट्, लोट्, विधिलिंङ्, लङ् एवं लृट्
bdkbl prFkl	अध्याय 11 : लघु सिद्धांत कौमुदी–प्रत्याहार, संज्ञा एवं संधि
bdkbl ipe	अध्याय 12 : विभक्त्यर्थ एवं अनुवाद अध्याय 13 : संस्कृत से हिन्दी अध्याय 14 : हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

Syllabus

vk"kdk0; ,o ykfdd dk0;

bdkb iFke	• वाल्मीकि रामायाणम् का सामान्य परिचय एवं महत्व, • वाल्मीकि रामायाणम – सुन्दर काण्ड, सर्ग – 15 श्लोक नं. 1–30 तक की व्याख्या सुन्दर काण्ड प्रथम सर्ग पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
bdkb }rh;	• महाभारत का सामान्य परिचय एवं महत्व • महाभारत–शान्ति पर्व (अध्याय 192) • अध्याय – 192 व्याख्या • अध्याय – 192 – पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न
bdkb r`rh;	• रघुवंशम् का सामान्य परिचय एवं महत्व, • रघुवंशम् प्रथम सर्ग श्लोक संख्या 1–30 तक की व्याख्या • पाठ्यांश पर आलोचनात्मक प्रश्न
bdkb prFk	• स्वप्नवासवदत्तम् का सामान्य परिचय • प्रथम एवं षष्ठ अंक पर व्याख्या एवं प्रश्न
bdkb ipe	• लघुत्रयी एवं वृहत्त्रयी का सामान्य परिचय एवं मेघदूत (पू.मे.) • श्लोक संख्या 1–30 तक की व्याख्या।
ukV%	• नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 40 अंक का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक का होगा। परन्तु अमहाविद्यालयीन (स्वाध्यायी) विद्यार्थियों के लिए उक्त प्रश्नपत्र 50 अंको का होगा। प्रत्येक 10 अंकों की होगी।

Contents

vk"kdk0; ,o ykfdd dk0;

bdkbl iFke	अध्याय 1 : वाल्मीकि रामायाणम् का महत्व अध्याय 2 : वाल्मीकि रामायाणम – सुन्दर काण्ड, सर्ग – 15 श्लोक नं. 1–30 अध्याय 3 : सुन्दर काण्ड प्रथम सर्ग अध्याय 4 : आलोचनात्मक प्रश्न
bdkbl }rh;	अध्याय 5 : महाभारत का सामान्य परिचय एवं महत्व अध्याय 6 : महाभारत–शान्ति पर्व (अध्याय 192) अध्याय 7 : अध्याय – 192 व्याख्या अध्याय 8 : अध्याय – 192 – पर आलोचनात्मक प्रश्न
bdkbl r`rh;	अध्याय 9 : रघुवंशम् का सामान्य परिचय एवं महत्व अध्याय 10 : रघुवंशम् प्रथम सर्ग श्लोक संख्या 1–30 अध्याय 11 : पाठ्यांश पर आलोचनात्मक प्रश्न
bdkbl prqFkl	अध्याय 12 : स्वप्नवासवदत्तम् का सामान्य परिचय अध्याय 13 : प्रथम एवं षष्ठ अंक
bdkbl iape	अध्याय 14 : लघुत्रयी एवं वृहत्त्रयी का सामान्य परिचय अध्याय 15 : श्लोक संख्या 1–30

x |] n'kku ,oa 0;kdj.k

Paper I

, 1 6 7 , 7 8 7 (2) ' , 6 7 $ 1 & ((' 8 & $
- , : $ - , 8 1 , 9 (5 6 , 7 <
* Z D O L R U 0 3

Syllabus

x|] n'kZu ,oa 0;kdj.k

bdkbZ iFke	• शुकनासोपदेशः–वाणभट्ट विरचित कादम्बरी से (व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)
bdkbZ }rh;	• आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन (सांख्या, योग, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त तथा मीमांसा) • चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय अपेक्षित है।
bdkbZ r`rh;	• भारतीय संस्कृति–वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरूषार्थ, संस्कार, भारतीय कला एवं तकनीकि विज्ञान।
bdkbZ prqFkZ	• वाच्य परिवर्तन (कर्तृ, कर्म एवं भाव वाच्य के नियम तथा उदाहरण अपेक्षित है। संस्कृत में एक निबन्ध।)
bdkbZ iape	• समास–लघुसिद्धांत कौमुदी से विग्रह एवं समास का ज्ञान अपेक्षित है।
ukV%	• नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 40 अंक का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक का होगा। परन्तु अमहाविद्यालयीन (स्वाध्यायी) विद्यार्थियों के लिए उक्त प्रश्नपत्र 50 अंको का होगा। प्रत्येक 10 अंकों की होगी।

Contents

x|] n'ku ,oa 0;kdj.k

bdkbZ izFke	अध्याय 1 : शुकनासोपदेशः–वाणभट्ट विरचित कादम्बरी से
bdkbZ }rh;	अध्याय 2 : आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन अध्याय 3 : चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय
bdkbZ r`rh;	अध्याय 4 : भारतीय संस्कृति–वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरूषार्थ, संस्कार अध्याय 5 : भारतीय कला एवं तकनीकि विज्ञान
bdkbZ prqFkZ	अध्याय 6 : वाच्य परिवर्तन
bdkbZ iape	अध्याय 7 : समास–लघुसिद्धांत कौमुदी अध्याय 8 : समास का ज्ञान

egkdk0; ,oa ukVd

Paper II

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

Syllabus

egkdk0; ,oa ukVd

bdkbZ izFke	• कुमारसम्भव का परिचय, • कुमारसम्भव प्रथम सर्ग– 1–30 तक की व्याख्या एवं समीक्षा।
bdkbZ }rh;	• नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय) • नाट्योत्पत्ति एवं नाट्य प्रयोजन से संबन्धि पाठ्यांशों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।
bdkbZ r`rh;	• नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द। • (प्रस्तावना, नान्दी, सूत्रधार, विष्कम्भक, प्रवेशक, विदूषक, प्रकाश, स्वगत एवं भरतवाक्य।)
bdkbZ prqFkZ	• अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक के पाठ्यांशों की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
bdkbZ iape	• संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्यकार व उनकी कृतियां। • (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखादत्त, श्रीहर्ष, भवभूति एवं भट्ट नारायण)
ukV%	• नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 40 अंक का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक का होगा। परन्तु अमहाविद्यालयीन (स्वाध्यायी) विद्यार्थियों के लिए उक्त प्रश्नपत्र 50 अंको का होगा। प्रत्येक 10 अंकों की होगी।

Contents

egkdk0; ,o ukVd

bdkbl iFke	अध्याय 1	:	कुमारसम्भव का परिचय
	अध्याय 2	:	कुमारसम्भव प्रथम सर्ग– 1–30 तक की व्याख्या
bdkbl }rh;	अध्याय 3	:	नाट्यशास्त्र
	अध्याय 4	:	नाट्योत्पत्ति एवं नाट्य प्रयोजन
	अध्याय 5	:	व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न
bdkbl r`rh;	अध्याय 6	:	नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द
	अध्याय 7	:	प्रस्तावना, नान्दी, सूत्रधार, विष्कम्भक
	अध्याय 8	:	प्रवेशक, विदूषक, प्रकाश, स्वगत एवं भरतवाक्य
bdkbl pr|Fkl	अध्याय 9	:	अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम
	अध्याय 10	:	पाठ्यांशों की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न
bdkbl ipe	अध्याय 11	:	संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्यकार व उनकी कृतियां
	अध्याय 12	:	भास, कालिदास, शूद्रक
	अध्याय 13	:	विशाखादत्त, श्रीहर्ष
	अध्याय 14	:	भवभूति एवं भट्ट नारायण)

dk0;] 0;kdj.k vkSj Hkk"kk foKku

Paper I

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

Syllabus

dk0;] 0;kdj.k vkj Hkk"kk foKku

bdkbZ izFke	• श्रीमद्भगवद्गीता–द्वितीय अध्याय। • श्लोक नं. 1–50 तक (व्याख्या एवं प्रश्न)
bdkbZ }rh;	• पन्चतंत्र, गीतगोविन्द, अमरूकशतक का सामान्य परिचय।
bdkbZ r`rh;	• उपनिषदों का सामान्य परिचय, • ईशावास्योपनिषद्–श्लोक संख्या 1–18 तक (व्याख्या एवं प्रश्न)
bdkbZ prqFkZ	• व्याकरण–(लघुसिद्धांत कौमुदी से) • कृदन्त–अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्। • तद्धित–अण्, मतुप, इनि, त्व, तल्, ढक्। • स्त्रीप्रत्यय–टाप् डीप्।
bdkbZ iape	• भाषा विज्ञान–भाषा का स्वरूप, भाषा का महत्व तथा उपभाषा, • भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय (ध्वनि विज्ञान रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान और वाक्य विज्ञान) • संस्कृत का भाषा विज्ञान को योगदान।
ukV%	• नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 40 अंक का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक का होगा। परन्तु अमहाविद्यालयीन (स्वाध्यायी) विद्यार्थियों के लिए उक्त प्रश्नपत्र 50 अंको का होगा। प्रत्येक 10 अंकों की होगी।

Contents

dk0;] 0;kdj.k vkj Hkk"kk foKku

bdkbZ iFke	अध्याय 1 : श्रीमद्भगवद्गीता–द्वितीय अध्याय अध्याय 2 : श्लोक नं. 1–50 तक
bdkbZ }rh;	अध्याय 3 : पन्चतंत्र, गीतगोविन्द, अमरूकशतक का सामान्य परिचय
bdkbZ r`rh;	अध्याय 4 : उपनिषदों का सामान्य परिचय अध्याय 5 : ईशावास्योपनिषद्–श्लोक संख्या 1–18
bdkbZ prqFkZ	अध्याय 6 : व्याकरण–(लघुसिद्धांत कौमुदी से) अध्याय 7 : कृदन्त–अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्। अध्याय 8 : तद्धित–अण्, मतुप, इनि, त्व, तल्, ढक्। अध्याय 9 : स्त्रीप्रत्यय–टाप् डीप्।
bdkbZ iape	अध्याय 10 : भाषा विज्ञान–भाषा का स्वरूप तथा उपभाषा अध्याय 11 : भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय अध्याय 12 : संस्कृत का भाषा विज्ञान को योगदान

dk0;] jl] NUn
,o vyadkj

Paper II

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

Syllabus

dk0;] jl] NUn ,oa vyadkj

bdkbZ iFke	• किरातार्जुनीयम् का सामान्य परिचय, किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग (व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न)
bdkbZ }rh;	• उत्तररामचरितम्–प्रथम अंक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)
bdkbZ r`rh;	• नीतिशतक–श्लोक संख्या 1–30 तक व्याख्या, कौटिल्य के अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।
bdkbZ prqFkZ	• संस्कृत काव्य–विधाओं का परिचय – (महाकाव्य, गीतिकाव्य, गधकाव्य, कथा साहित्य तथा चम्पू काव्य)
bdkbZ iape	• रस, छनद एवं अलंकार • रस का सामान्य परिचयः परिभाषा एवं प्रकार • छन्द – अनुष्टृप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थम्, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शार्दूविक्रीडितम्, स्रगधरा। • अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति। (काव्यप्रकाश से)
ukV%	• नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 40 अंक का होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक का होगा। परन्तु अमहाविद्यालयीन (स्वाध्यायी) विद्यार्थियों के लिए उक्त प्रश्नपत्र 50 अंको का होगा। प्रत्येक 10 अंकों की होगी।

Contents

dk0;] jl] NUn ,oa vyadkj

bdkbZ iFke	अध्याय 1 : किरातार्जुनीयम् का सामान्य परिचय अध्याय 2 : किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग
bdkbZ }rh;	अध्याय 3 : उत्तररामचरितम्–प्रथम अंक
bdkbZ r`rh;	अध्याय 4 : कौटिल्य के अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।
bdkbZ prqFkZ	अध्याय 5 : संस्कृत काव्य–विधाओं का परिचय
bdkbZ iape	अध्याय 6 : रस, छनद एवं अलंकार अध्याय 7 : रस का सामान्य परिचय अध्याय 8 : छन्द – अनुष्टृप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थम् अध्याय 9 : छन्द – वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शार्दूविक्रीडितम्, स्रगधरा। अध्याय 10 : अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक अध्याय 11 : अलंकार – उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति

Published by:
Registrar
Jiwaji University, Gwalior
(Established in 1964)
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (स्थापना वर्ष 1964)
NAAC Accredited 'A' Grade University
http://www.jiwaji.edu
http://www.jiwaji.edu/dis_edu_about.asp